नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वेद की परिभाषा दीजिए । क्या वेद पौरूषेय अथवा अपौरूषेय हैं ? अपना अभिमत दीजिए ।

2. देवों की अनेकता में एकता का वर्णन कीजिए ।

3. वाजसनेयी संहिता का परिचय दीजिए ।

4. सामवेद की शाखाओं का वर्णन कीजिए ।

5. अथर्ववेद के वर्ण्यविषय का सर्वांगीन विवेचन कीजिए ।

6. ब्राह्मण साहित्य में प्राप्त प्रमुख आख्यानों पर प्रकाश डालिए ।

7. ऋग्वेदीय आरण्यको का परिचय दीजिए ।

8. उपनिषद साहित्य की विषय सामग्री का निरूपण कीजिए ।

9. वेदांग साहित्य का परिचय दीजिए ।

10. महाभारत का पर्वानुसार परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2013

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	Paper	Time	Examination Centre
16.07.2013	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
18.07.2013	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
20.07.2013	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
22.07.2013	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
24.07.2013	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
26.07.2013	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
30.07.2013	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
01.08.2013	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उत्कर्ष काल के महाकवि कालिदास का काव्यात्मक परिचय दें ।

2. श्रृंगारमूलक गीतिकाव्य में अमरक कवि का स्थान निरूपित करें ।

3. गद्यकाव्य की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालें ।

4. टिप्पणी लिखें :-
   (क) वेताल पंचविंशति (ख) वृहत्कथा

5. संस्कृत नीतिकथाओं में पंचतंत्र का मूल्यांकन करें ।

6. संस्कृत लोककथा-साहित्य में बौद्ध धर्मावलम्बियों के योगदान की समीक्षा करें ।

7. नाटक की परिभाषा देते हुए भारतीय नाटक की विशेषताओं का वर्णन करें ।

8. मुद्राराक्षस की विशेषताओं का वर्णन करें ।

9. आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्राचीन परम्परा के रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं की विवेचना करें ।

10. संस्कृत साहित्य के ऐतिहासिक महाकाव्य का परिचय प्रस्तुत करें ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-III

(भाषाविज्ञान एवं लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. भाषाविज्ञान की विश्लेषण प्रक्रिया के स्तरों का विवेचन कीजिए ।

2. "भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है" इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।

3. ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति से सम्बद्ध मतों का विवेचन कीजिए ।

4. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं का विवेचन कीजिए ।

5. आकृतिमूलक वर्गीकरण का अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रश्लिष्ट योगात्मक भाषा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

6. ग्रिम-नियम के सन्दर्भ में फेर्नर और ग्रासमान के संशोधनों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

7. पालि नामकरण का विवेचन करते हुए पालि भाषा की विशेषताएँ बतायें ।

8. द्राविड़ परिवार के क्षेत्रविस्तार तथा विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

9. वाक्य भाषा की उच्चतम इकाई है, इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

10. प्रयत्न का क्या अर्थ है ? ध्वनियों के विवेचन में आभ्यान्तर प्रयत्नों का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-I, पत्र-IV
वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा | पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'क' (भारतीय दर्शन)

1. भारतीय दर्शन सम्प्रदायों की महत्वपूर्ण विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

2. जैन दर्शन के अनुसार जीव का निरूपण कीजिए ।

3. बुद्ध द्वारा प्रतिपादित आर्यसत्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

4. यमों का परिचय देते हुए योग के आधुनिक महत्व को समझाइए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :-
   (क) समवायी कारण (ख) स्यादवाद
   (ग) उपमान प्रमाण (घ) हेतु

खण्ड 'ख' (भारतीय संस्कृति)

6. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

7. ॠग्वेद के प्रमुख देवताओं का परिचय दीजिए ।

8. पुरूषार्थ चतुष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।

9. संस्कार का अर्थ और महत्व स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :-
    (क) कर्मवाद (ख) पंच महायज्ञ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अनुपिटक साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. जैनकवियों द्वारा रचित किन्हीं दो महाकाव्यों या चरितकाव्यों का विवेचन कीजिए ।
3. अपभ्रंश में रचित श्रृंगारिक एवं शौर्यपरक रचनाओं की समीक्षा कीजिए ।
4. आदिकालीन साहित्य का परिचय दीजिए ।
5. छायावादोत्तर गद्य विधाओं का परिचय दीजिए ।
6. टिप्पणी लिखिए - विद्यापति, मैथिलीशरण गुप्त ।
7. बंगला के आधुनिक काल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
8. मराठी साहित्य का काल विभाजन करते हुए सभी कालों का साहित्यिक परिचय दीजिए।
9. तमिल में पल्लव-वंश काल को भक्ति-युग क्यों कहा जाता है? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए।
10. तेलुगु-साहित्य के कवि-त्रय कहे जाने वाले कवियों का नामोल्लेख करते हुए उनका साहित्यिक परिचय दीजिए ।

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. सूत्र को परिभाषित करते हुए इसके भेदों का वर्णन करें ।

2. प्रयत्न किसे कहते हैं? वे कितने प्रकार के होते हैं ।

3. गुण संधि से आप क्या समझते हैं? इसके विविध स्वरूपों का सूत्र निर्देश पूर्वक बताएँ।

4. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :-
आद्गुणः, एचोऽयवायावः, शश्छोऽटि, एटुना एटुः ।

5. सूत्र निर्देश पूर्वक रूप-सिद्धि करें :-
उपेन्द्रः, नायकः, लक्ष्मीच्छाया, तच्छिवः ।

6. कारक के कितने भेद हैं? उनके नाम और विभक्ति का उल्लेख करें ।

7. निम्नलिखित सूत्रों के सोदाहरण अर्थ स्पष्ट करें :-
अकथितं च, उपान्वध्याङ्.वसः, क्रियया यमभिप्रैति स सम्प्रदानम, कर्तृकर्मणो कृतिः

8. तत्पुरूष समास किसे कहते हैं? इसके भेदों को सोदाहरण वर्णन करें ।

9. निम्नलिखित पदों की सामसविग्रहपूर्वक रूपसिद्धि करें -
चित्रगुः, राजदन्तः, उपशरदभ्, पाणिपादभ्

10. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :-
तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, पञ्चमी भयेन, स नपुंसकम्, तद्धितार्थोत्तर पद समाहारे च ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VII

(भारतीय काव्यशास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' इस काव्यलक्षण को पल्लवित करते हुए इसकी सम्क् विवेचना कीजिए ।

2. अर्थदोषों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

3. महाकाव्य का लक्षण बताते हुए महाकवि कालिदास के महाकाव्यों पर प्रकाश डालिए ।

4. कथा और आख्यायिका का भेद स्पष्ट कीजिए ।

5. लक्षणा की परिभाषा करते हुए उसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए ।

6. रस सूत्र की उत्पत्तिवादी एवं आरोपवादी व्याख्या की समीक्षा कीजिए ।

7. वक्रोक्ति सम्प्रदाय पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए ।

8. रूपक किसे कहते हैं? इसके भेदों पर प्रकाश डालिए ।

9. निम्नलिखित अलंकारों की परिभाषा और उदाहरण दीजिए :-
   विभावना, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :-
    (क) आचार्य मम्मट
    (ख) चित्रकाव्य
    (ग) रीति
    (घ) अभिनवगुप्त

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-I, पत्र-VIII (संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी एक विषय पर संस्कृत में कम से कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखें :-
   (क) उच्चशिक्षायाः निजीकरणम्
   (ख) पर्यावरण प्रदूषण-समस्या
   (ग) महिला सशक्तीकरण

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :-
   (क) राम ने रावण को बाण से मारा ।
   (ख) वन में हिंसक जन्तु रहते हैं ।
   (ग) मैं विद्यालय जाना चाहती हूँ ।
   (घ) विद्यालय जाकर मैं संस्कृत पढ़ूँगा ।
   (ङ) वह पढ़ने के लिए दिल्ली गया ।
   (च) बालक शेर से डरता है ।
   (छ) बालक को दूध अच्छा लगता है ।
   (ज) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती है ।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिएः-
   निकषा, पठितुम्, गृहीत्वा, ऋते, अभितः, स्वस्ति, गतवान्, अधीत्य

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

   खृष्टाब्दे मार्चमासस्य षष्ठे दिने बिहार प्रान्तस्य छपरानगरे कुलीनसरयूपारीणीये ब्राह्मणपरिवारे महामहोपाध्यायः पण्डितः रामावतारशर्मा जन्म लब्धवान् । पितृविहीनोऽयं वाराणस्यां क्वीन्सकालेजे अध्ययनरतः साहित्याचार्य-परीक्षां विशिष्ट योग्यतया समुतीर्णवान्

   शर्मामहोदयस्य अतुलां मेधामवलोक्य तत्र प्राचार्यः वेनिसमहोदयः संस्कृतेन सह आङ्ग्लभाषाम् अध्येतुं निर्दिष्टवान् अयं मेधावी युवा निजप्रतिभाप्रकर्षेण आंग्लभाषामधीयानो माध्यमिक कक्षातः प्रारभ्य एम0ए0 कक्षां यावत् सर्वासु परीक्षासु विशिष्टयोग्यतया साफलयम् प्राप्नोत् ।

   अध्ययनसमाप्तेः अन्नतरं शास्त्र-पारङ्ग.तोऽयं विद्वान् बिहार प्रान्तस्य सुप्रसिद्धे पटनाकालेजे संस्कृत-प्राध्यापको बभूव । पण्डित मदनमोहनमालवीयस्य अनुरोधं स्वीकुर्वन् वाराणसेय-हिन्दू-विश्वविद्यालयेऽपि एषः प्राचार्य-पदम् अलङ्कृतवान् । नितरां शिष्टः विनम्रश्चायं मेधावी चाटुकारितां नाश्रयते स्म । तेन हेतुना आई0ए0एस0 संवर्गं न प्राप्नोत् । महामहोपाध्याय विभूषितोऽयं क्रान्तदर्शी हिन्दी-संस्कृत-आंग्ल-भाषासु बहुसंख्यान् अनेकविधान् ग्रन्थान् विरच्च महतीं ख्यातिं लब्धवान् । 1929 खृष्टाब्दस्य अप्रिलमासस्य तृतीये दिनाङ्क. अद्वितीयो विद्वान परलोकं प्रस्थितः ।

प्रश्नाः

   i. म.म. पण्डितरामावताराशर्मणः जन्म कदा कुत्र चाभवत्?
   ii. स कुत्र गत्वा शिक्षां लब्धवान्?
   iii. तस्य प्रथमं नियोजनं कुत्र जातम्?
   iv. कस्य निर्देशेन शर्म्ममहोदयः आङ्ग्लभाषामधीतवान्?
   v. परीक्षासु तस्य साफल्यं कीदृशम् आसीत्?
   vi. स कासु भाषासु ग्रन्थान् अरचयत्?
   vii. आ0ए0एस0 संवर्गं स कथं न प्राप्नोत्?
   viii. समुचितं शीषकं लेखनीयम्?

(कृ0पृ0उ0..)

5. किसी पर्वतीय यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास संस्कृत में एक पत्र लिखें ।

6. आपके नगर में विमान दुर्घटना हो गयी है । संवाददाता के रूप में आप समाचार पत्र में प्रकाशन के लिए सूचना पत्र तैयार कीजिए ।

7. अपने प्राचार्य को नामांकन के लिए संस्कृत में एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

8. निम्नलिखित पदों के विग्रह पदों को लिखिए :-
कुम्भकारः, केशाकेशि, विधवा, पिनाकपाणि, शुभानना, मृत्युञ्जयः लम्बोदरः षडाननः ।

9. निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण करें :-
सामान्यतः सर्वेषां प्राणिनां वैयक्तिकमर्यादानुसारेण उचित व्यवहारो विनय इति व्याह्रियते । प्रायः गुरूणामादरः पूजा च समवयस्कैः सह मित्रत्वम् विनयः । विनीतो जनो न कमप्यवमन्यते । इत्थं स सर्वेषां प्रेमास्पदं भवति । गुरवः आत्मानुभावेन, मित्राणि साहाय्येन अपरे वयस्काश्च तस्य विनयभाव-सम्पन्नस्य समृदध्यर्थं यतन्ते । सोऽपि लोकसङ्ग्रहार्थं दिव्यदर्शान् प्रकाशयति सर्वेषामभ्युदयायैव । विद्यासम्पन्नो हि एवं कर्तुं शक्नोति । यतः हि स स्वार्थो यस्य परार्थ एव स नृणामग्रणीरिति सिद्धान्तानुरूपं सकलजीववर्णान् उपकरोति । स शत्रुमपि शीघ्रमेव मित्रं भविष्यतीति विमृश्योपकारार्हं मन्यते । केनापि कृतमपराधं विस्मरत्येव । अज्ञानवशीकृतः पुरूषो मां प्रति दुर्व्यवहरतीति मत्वा स दुश्चरितपुरूषं दयापात्रं । एवं विकसितबुद्धयो हि विनयशीलाः सत्कर्मप्रतिपन्ना अहंभावविरहिता यथार्थविधायाः मूर्त्तरूपा एव । -- 100 शब्द

10. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :-

(i)	इमानि .... वस्त्राणि ।	(रामस्य, रामम्)
(ii)	अध्यापकः ....पाठयति	(संस्कृतम्, संस्कृतः)
(iii)	.... सह याति कौमुदी	(शशिना, शशिः)
(iv)	अहम् गृहं	(गम्यते, गच्छामि)
(v)	त्वं पुष्पाणि	(चिनोष, चिन्वन्ते)
(vi)	मया जनकः	(नम्यते, नमामि)
(vii)	बालकाभिः भूषणानि	(धारयन्ति, धार्यन्ते)
(viii)	.... कृष्णा बदुक्षीरा	(गहवां, गावम्)
(ix)	.... रामायणं रचितवान्	(तुलसीदासः, तुलसीदासेन)
(x)	नृपः वने .... सिहं हतवान्	(गत्वा, हतवान्)
(xi)	सुमित्रा दशरथस्य .... राज्ञी आसीत्	(कनिषाः, कनिष्ठम्)
(xii)	यत्र धूमः .... अग्निः	(किम्, तत्र)
(xiii)	.... गणितस्य अध्यापिका अस्ति	(भवती, भवतीम्)
(xiv)	.... छात्रान् कः अध्यापयति	(एतान्, इमानि)
(xv)	.... कुटिला नदी वर्तते	(क्रोशं, क्रोशस्य)
(xvi)	.... फलानि प्राप्यन्ते	(वृक्षं, वृक्षात्)

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट-II, पत्र-IX
(वेद तथा उपनिषद्)
वार्षिक परीक्षा, 2013

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक देवता के रूप में इन्द्र का परिचय दीजिए ।

2. "उषा" देवता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

3. निम्न मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :-
   (क) सूर्यो देवीमुषसं रोचमानां मर्यो न योषामभ्येति पश्चात् ।
   यत्रा नरो देवयन्तो युगानि वितन्वते प्रतिं भद्रायं भद्रम् ।।
   (ख) यो जात एव प्रथमो मनस्वान्देवो देवान् क्रतुना पर्य्यभूषत् ।
   यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य महा स जनासइन्द्रः ।।

4. "सांमनस्यम्" का सार लिखिए ।

5. शान्ति-पाठ से क्या समझते हैं? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए ।

6. पिण्ड तत्त्व और ब्रह्माण्ड तत्त्व क्या हैं? दोनों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए ।

7. "याज्ञवल्क्य-मैत्रेयी-संवाद" को अपने शब्दों में लिखिए ।

8. शिवसंकल्प-सूक्त का सारांश लिखिए ।

9. वैदिक देवता के रूप में सूर्य के महत्व का आकलन कीजिए ।

10. अधोलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :
    (क) "येन अहं न अमृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम् ।"
    (ख) "ग्रहणाय वीणायै तु ग्रहणेन वीणावादस्य वा शब्दो गृहीतः ।"
    (ग) अस्यैवैतानि सर्वाणि निःश्वासितानि ।
    (घ) "आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः ।"

ꣻ ꣻ ꣻ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-X

(प्राचीन संस्कृत पद्यकाव्य)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उपजीव्य काव्यों के अन्तर्गत आने वाले ग्रन्थों का उल्लेख करें ।
2. रामायण की संक्षिप्त कथा अपने शब्दों में लिखें ।
3. किष्किन्धाकाण्ड में वाल्मीकि के काव्य शिल्प का चित्रण करें ।
4. गीता के ज्ञानयोग का विवेचन करें ।
5. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या करें :-
   (क) वासांसि जीर्णानि यथाविहाय, नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
   तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि अन्यानि संयाति नवानि देही ।।
   (ख) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
   मा कर्मफलहेतुर्भू मा ते संगोस्त्वकर्मणि ।।
6. गीता के द्वादश अध्याय के आधार पर साकार ब्रह्म के लक्षण लिखें ।
7. विदुरनीति के द्वितीय अध्याय का सारांश अपने शब्दों में लिखें ।
8. महाभारत में विदुरनीति की विषयवस्तु लिखें ।
9. नीतिकाव्यों का संक्षिप्त परिचय देते हुए नीति काव्यों और उपदेश काव्यों में अन्तर को स्पष्ट कीजिए ।
10. सफल राजा के क्या लक्षण हैं ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XI

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है, अवशिष्ट प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए ।

1. किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए -
   (क) सा सुन्दरी श्वास-चलोदरी हि वज्राग्निसंभिन्न दरीगुहेव ।
   शोकाग्निनान्तर्हृदि दह्यमाना विभ्रान्तचित्तेव तदा बभूव ।।
   (ख) वैदर्भ निर्दिष्टमसौ कुमारः क्लृप्तेन सोपानपथेन मञ्चम् ।
   शिलाविभङ्गैः मृगराजशावः तुङ्गं. नगोत्सङ्ग. मिवारूरोह ।।
   (ग) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया
   तनोति शुभ्रं गुण-सम्पदा यशः ।
   समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्.गमात्
   वरं विरोधो ऽपि समं महात्मभिः ।।
   (घ) वञ्चितो देवराजेन चोपेक्षितो
   मज्जनन्या तयाभीतया लोकतः ।
   प्रीतिदं तं सखायं त्यजेयं कथम्
   कः सहायः सकृत् सोऽनिशं मे सखा ।।

2. निम्न पदों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए -
   (क) एकतो दिव्य आत्मा मदीयो रविः
   भिक्षुकश्चान्यतोऽयं महेन्द्रः पुरः ।
   एकतो धार्तराष्ट्रः सखा मामको -
   ऽप्यन्यतो भिक्षुरेषा मदीया प्रसूः ।।
   (ख) कृपणो बत यूथलालसो महतो व्याघ्रभयाद्विनिःसृतः ।
   प्रविविक्षति वागुरां मृगश्चपलो गीतरवेन वञ्चितः ।

3. निम्न पद्यों के अनुवाद हिन्दी में कीजिए -
   (क) तस्मिन् विधानातिशये विधातुः कन्यामये नेत्रशतैकलक्ष्ये ।
   निपेतुरन्तःकरणैः नरेन्द्रादेहैः स्थिताकेवलमासनेषु ।।
   (ख) कामं नृपाः सन्तु सहस्रोऽन्ये राजन्वतीमाहुरने भूमिम् ।
   नक्षत्रताराग्रहसंकुलापि ज्योतिष्मती चन्द्रमसैव रात्रिः ।।

4. संस्कृत महाकाव्य के लक्षण की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
5. अश्वघोष और कालिदास की उपमा-योजना का तुलनात्मक सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
6. कवि के रूप में भारवि की समालोचना पाठ्यांश के आधार पर कीजिए ।
7. महाकाव्य के रूप में रघुवंश की समीक्षा कीजिए ।
8. "सुधर्मा" काव्य-रचना के आधार पर रामकरण शर्मा के सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए ।
9. वैदिक साहित्य के काव्यत्व का विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XII (गद्यकाव्य)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'बाणः कवीनामिह चक्रवर्ती' प्रशस्ति का सन्दर्भ सहित विवेचन कीजिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की व्याख्या कीजिए :–
   (क) अमृतसहोदरापि कटुकविपाका, विग्रहवत्यत्यप्रत्यक्षदर्शना ।
   (ख) आरुढप्रतापो राजा त्रैलोक्यदर्शीव सिद्धादेशो भवति ।
   (ग) दिवसकरगतिरिव प्रकरितविविधसंक्रान्तिः ।

3. शुकनासोपदेश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–
   (क) इयं संवर्धनवारिधारा तृष्णाविषवल्लीनाम्, व्याधगीतिरिन्द्रिय–मृगाणाम्, परामर्श–धूमलेखा सच्चरित–चित्राणाम्, विभ्रमशय्या मोह–दीर्घनिद्राणाम्, निवासजीर्णवलभी धनमद–पिशाचिकानाम्, तिमिरोद्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम् ।
   (ख) इन्द्रियहरिणहारेणी च सतत दुरन्तेयमुपभोग–मृगतृष्णिका । नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाणि आस्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः । नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषम् अत्यासङ्गो विषयेषु । भवादृशा एवं भजन्ति पुरुषम् अत्यासङ्गो विषयेषु ।
   (ग) सरस्वती–परिगृहीतम् ईर्ष्ययेव नालिङ्गति । जनं गुणवन्तम् अपवित्रमिव न स्पृशति । उदारसत्त्वम् अमङ्गलमिव न बहु मन्यते । सुजनम् अनिमित्तमिव न पश्चति । अभिजातम् अहिमिव लंघयति । शूरं कण्टकमिव परिहरति । दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति । विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति । मनास्विनम् उन्मत्तमिव उपहसति ।

5. व्याघ्रीजातक के कथानक को लिखकर इसके संदेश का निरूपण कीजिए ।

6. शिबिजातक के आधार पर राजा और अमात्यों के बीच संवाद का निरूपण अपने शब्दों में कीजिए ।

7. निम्नलिखित संदर्भ का हिन्दी में अनुवाद करते हुए अपनी टिप्पणी दीजिए :–
   अथ कदाचित् स महात्मा परिनिष्पन्नभूयिष्ठे पृथूभूते शिष्यगणे, प्रतिष्ठापितेऽस्मिन् कल्याणे वर्त्मन्यवतारिते नैष्क्रम्यसत्पथं लोके संवृतेष्विव अपायद्वारेषु राजमार्गीकृतेष्विव सुगतिमार्गेषु दृष्टधर्मसुखविहारार्थं तत्काल–शिष्येणाजितेन अनुगम्यमानो योगानुकूलान्पर्वत–दरी–निकुञ्जाननु–विचचार ।

8. शिवराज विजय के प्रथम निःश्वास की विषयवस्तु को संक्षिप्त रूप में लिखिए ।

9. निम्नलिखित में किन्हीं ***दो*** सन्दर्भों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) दम्भोलिघटितेयं रसना या दारुणदानवोदन्तोदीरणैः न दीर्यते ।
   (ख) सकल–कला–कलाप–कलनः सकलकालनः करालः कालः ।
   (ग) वाराणसीपर्यन्तम् अखण्डमण्डलम् अकण्टकम् अकीटकिट्टं महारत्नमिव महाराज्यमङ्गीचकार ।

10. रामकरण शर्मा का परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIII

(संस्कृत रूपकम्)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. रूपक के भेदों पर प्रकाश डालिए ।
2. किन्हीं चार नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्द पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :-
   नान्दीपाठ, बीज, पताका, सूत्रधार, भरतवाक्य एवं कार्यावस्था
3. नाटक में "पञ्चसन्धि" विषय पर एक निबन्ध लिखिए ।
4. हिन्दी भाषा में व्याख्या लिखिए :-
   (क) तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः ।
   तुष्यन्ति शमिनां नित्यं देवताः किं विचारितैः ।।
   (ख) अनिर्भिन्नों गभीरत्वादन्तर्गूढ़घनव्ययः ।
   पुटपाकप्रतीकाशो रामस्य करूणोरसः ।।
5. मुद्राराक्षस के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
6. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" नाम की सार्थकता की मीमांसा कीजिए ।
7. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु की विवेचना कीजिए ।
8. "उत्तररामचरितम्" के पठित अंश के आधार पर राम अथवा सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए।
9. "अपूर्वः प्रतिशोधः" की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए ।
10. "नीड निर्माणाम्" नाम की सार्थकता लिखकर कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XIV

(व्याकरण)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब" से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड-"अ"

1. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :-
   (क) ऋन्नेभ्यो ङीप् (ख) वोतो गुणवचनात्
   (ग) उगितश्च (घ) यङश्चात्

2. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि सूत्र-निर्देशपूर्वक कीजिए :-
   (क) कोकिला (ख) दात्री
   (ग) किशोरी (घ) गौरी

3. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थभेद बताइए :-
   (क) यवनी-यवनानी (ख) उपाध्याया-उपाध्यायी
   (ग) स्थला-स्थली (घ) अर्या-अर्यी

4. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :-
   (क) अनुदात्तङित आत्मनेपदम् (ख) विपराभ्यां जेः
   (ग) आङ् उद्गमने (घ) उपाच्च

5. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि सूत्र-निर्देशपूर्वक कीजिए :-
   (क) चेयम् (ख) वास्तव्यः
   (ग) अवद्यम् (घ) स्नानीयम्

खण्ड-"ब"

6. स्त्री प्रत्यय कितने हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

7. आत्मनेपद और परस्मैपद के प्रत्ययों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

8. लकार से क्या समझते हैं ? संस्कृत क्रियारूपों के लकारों का वर्णन कीजिए ।

9. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य के प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

10. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :-
    (क) कृत्य प्रत्यय (ख) निष्ठा (ग) भाववाचक कृत्प्रत्यय

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XV

(संस्कृत शास्त्रों का इतिहास)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. नाट्यशास्त्रीय चिन्तन में भरत और उनके उत्तरवर्ती आचार्यों में जो साम्य-वैषम्य हैं, उन्हें प्रकाशित कीजिए ।
2. प्राक् वराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
3. आयुर्वेद का काल निर्धारण कीजिए ।
4. वृहत्त्रयी के रचनाकारों के साथ-साथ ग्रन्थों के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए ।
5. वैदिक एवं वेदांगीय व्याकरण का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
6. पाणिनेयेतर व्याकरण सम्प्रदायों का परिचय दीजिए ।
7. कोश के उद्भव एवं स्वरूप का परिचय दीजिए ।
8. भारतीय धर्मशास्त्रों की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।
9. सूत्रकारों के साथ सूत्र साहित्य का परिचय दीजिए ।
10. टिप्पणी लिखिए :-
    (क) वराहमिहिर
    (ख) वागभट

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

वार्षिक परीक्षा, 2013

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट-II, पत्र-XVI

(संस्कृत रचना)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :-
(i) उपमा कालिदासस्य (ii) शब्द-शक्ति (iii) काव्येषु नाटकं रभ्यम् (iv) भवभूतेः करूणो रसः

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :-
(i) अहं व्याकरणं पठति (ii) मयूराः नृत्यति (iii) अश्वाः वेगेन धावति
(iv) छात्रजीवनं सुखदं भवन्ति (v) दुष्यन्तः प्रसिद्धः राजा आसन् (vi) अहं श्वः विद्यालयं गमिष्यामः
(vii) बालिकौ गृहं गच्छन् (viii) भवान् कुत्र गच्छसि (ix) एकं बालकः गायति
(x) रामेण फलं खादितः (xi) अयं पुस्तकं पठनीयम् (xii) दशरथस्य चतस्त्रः पुत्राः आसन्
(xiii) वृक्षेण पत्रं पतति (xiv) मया पुस्तकं पठितः (xv) फलं मधुरः अस्ति
(xvi) हनुमानाय नमः

3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करें एवं समुचित शीर्षक लिखिए :-

नियमपूर्वकं विधीयमानो व्यायामो हि फलप्रदो भवति । स च व्यायामो द्विधः श्रूयते, व्यायामेन वपुषः सर्वेषु अङ्गेषु मर्मस्थलेषु रक्तसञ्चारः समीचीनतया सम्पद्यते । तेन गात्रं परिपुष्टं जायते । परिपुष्टे स्वस्थे गात्रेहि मनोऽपि स्वस्थं प्रसन्नञ्च भवति । सर्वाङ्गीणा स्फूर्तिः विवर्धते, बुद्धिस्तेजो यशो बलञ्च सुतरां प्रवर्धन्ते । व्याायममहिम्ना एव वक्षः स्थलं विशालं नेत्रयुगलं तरलं तेजस्वि च, धनगात्रविभक्तता चानासायेन सुसम्पन्ना भवति । यद्यपि व्यायामस्य अनेके भेदा दृश्यन्ते यथा वारितरणम् अरोहणं, धावनं, योगासनानि, सूर्यनमस्कारः, प्राणायामः तथापि ते द्वेंधा विभाजयितुं शक्यन्ते । एकः शरीरोऽपरो मानसश्च । पुनः स्वाध्यायः, श्रवणं, मननं, निदिध्यासनं समाधिश्चेति । एषु मुख्यतमः समाधिरेव यत्रात्मपरमात्मनो समाकलनं भवति परन्तु साधारणजनानां कृते तु शारीरिकेषु यथारूचि, यथाशक्ति च यो यस्मै रोचते स एव परिपालनीयः ।

4. निम्नलिखित सूक्तियों में से किन्हीं ***दो*** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :-
(i) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी (ii) वसुधैव कुटुम्बकम् (iii) सत्यमेव जयते

5. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :-
(i) कर्त्तुरीत्सितमं कर्म (ii) सहयुक्तेऽप्रधाने (ii) अपादाने पंचमी (iv) आख्यातोपयोगे

6. समाज विग्रह करते हुये समास का नाम बताइए :-
लम्बोदरः, अनुविष्णुः, प्रतिदिनम्, नीलोत्पलम्, यूपदारुः, धान्यार्थः, कुम्भकारः, त्रिलोकी

7. संधि-विच्छेद करते हुए संधि का नाम बताइए :-
यद्यपि, उच्चारणम्, संसारः, तच्छ्रुत्वा, सोऽहम्, कृष्णैकत्वम्, जगन्नाथः, मनोरथः

8. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-
अमावस्या, आशा, उदितः, इहलोकः, क्षमा, वृष्टिः, गुणः, ग्रीष्मः

9. वाच्य परिवर्तन कीजिए :-
(i) रामः ग्रामं गच्छति । (ii) मया पत्रं लिख्यते । (iii) अहं विधाम् इच्छामि ।
(iv) लता पत्राणि लिखति । (v) शिशुना दुग्धं पीयते । (vi) जनाः धनं इच्छन्ति ।
(vii) त्वं ईश्वरं पूजयसि । (viii) गुरूणा सत्यं उद्यते । (ix) एकः चन्द्रः तमो हरति ।
(x) कन्या गीतं गायति । (xi) मया फलानि क्रीयन्ते । (xii) वयं छात्रान् पाठयामः ।
(xiii) शिष्याः गुरुन् नमन्ति । (xiv) सज्जनः पापात् बिभेति । (xv) तेन रूद्यते ।
(xvi) छात्राः ग्रामं गच्छन्ति ।

10. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए :-
अग्निः, वायुः, सूर्यः, आकाशः, गणेशः, शिवः

ꕥ ꕥ ꕥ